Scientific Aquaculture Outreach Initiative: Bridging Innovation and Livelihoods in Gadchiroli, Maharashtra

Under the Scientific Aquaculture Outreach Initiative aimed at bridging innovation with rural livelihoods, a Training-cum-Input Distribution Programme on "Modern Methods of Freshwater Aquaculture" was organized at Gadchiroli, Maharashtra, on 17–18 February 2026 in collaboration with the Department of Fisheries and the College of Fisheries Science, Nagpur. The initiative was designed to transfer location-specific scientific technologies directly to fish farmers, thereby strengthening livelihood opportunities, particularly among rural and tribal communities of the region. The two-day programme focused on translating research-based aquaculture innovations into practical, field-level applications. Technical sessions covered scientific pond preparation, water quality management, composite fish culture, quality seed selection, feed management, and fish health management. Special emphasis was placed on sustainable, low-cost, and productivity-enhancing practices to improve farm income and ensure long-term livelihood security. The interactive format of the sessions encouraged active farmer participation, enabling them to discuss field constraints and receive science-backed solutions tailored to local conditions.

On the second day, practical demonstrations were conducted to familiarize the participants with scientific feeding practices and efficient utilization of inputs. 150 ice boxes and 150 fishing nets were distributed to beneficiaries to support the implementation of improved practices at the field level. The distribution aimed to reduce input constraints and encourage adoption of scientific aquaculture methods. The programme witnessed active participation from fish farmers of Gadchiroli district, along with officials from the Department of Fisheries and Dr. Prashant Telvekar, Dean, College of Fisheries Science, Nagpur. The initiative helped strengthen the linkage between farmers, technical experts, and the line department, thereby promoting coordinated efforts for fisheries development in the district. Overall, the tour was successful and productive. The programme significantly contributed to enhancing awareness, improving technical knowledge, and motivating farmers to adopt modern freshwater aquaculture practices. It is expected that the knowledge gained and inputs distributed during the programme will lead to improved fish production and better livelihood opportunities for farmers in Gadchiroli district. The programme was coordinated by Dr. Kapil Sukhdhane., Dr. Sukham Munilkumar and Dr. Debajit Sarma of the aquaculture division of ICAR-Central Institute of Fisheries Education.

वैज्ञानिक मत्स्यपालन विस्तार पहल: गढ़चिरौली, महाराष्ट्र में नवाचार और आजीविका के बीच सेतु निर्माण

“आधुनिक मीठे पानी की मत्स्यपालन पद्धतियाँ” विषय पर एक प्रशिक्षण-सह-आवश्यक सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन 17–18 फरवरी 2026 को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में मत्स्य विभाग तथा मत्स्यविज्ञान महाविद्यालय, नागपूर के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन्नत मत्स्यपालन तकनीकों का प्रसार करना तथा विशेष रूप से ग्रामीण एवं जनजातीय समुदायों से संबंधित मत्स्य किसानों की क्षमता का सुदृढ़ीकरण करना था। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिक तालाब तैयारी, जल गुणवत्ता प्रबंधन, समग्र (कॉम्पोज़िट) मत्स्य पालन, गुणवत्तापूर्ण बीज चयन, आहार प्रबंधन तथा मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन पर विस्तृत तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने हेतु लागत-प्रभावी एवं सतत् मत्स्यपालन पद्धतियों को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया। सत्र संवादात्मक रहे, जिससे किसानों को अपने प्रश्न पूछने और मत्स्य पालन में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं पर चर्चा करने का अवसर मिला। दूसरे दिन प्रतिभागियों को वैज्ञानिक आहार प्रबंधन एवं संसाधनों के कुशल उपयोग से परिचित कराने हेतु व्यावहारिक प्रदर्शन आयोजित किए गए।

क्षेत्र स्तर पर उन्नत पद्धतियों के क्रियान्वयन में सहयोग हेतु १५० आइस बॉक्स तथा १५० मछली पकड़ने के जाल लाभार्थियों को वितरित किए गए। इस वितरण का उद्देश्य इनपुट संबंधी बाधाओं को कम करना तथा वैज्ञानिक मत्स्यपालन विधियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में गढ़चिरोली जिले के मत्स्य किसानों की सक्रिय भागीदारी रही, साथ ही मत्स्य विभाग के अधिकारियों एवं डॉ. प्रशांत तेलवेकर, अधिष्ठाता मत्स्यविज्ञान महाविद्यालय, नागपूर की उपस्थिति रही। इस पहल ने किसानों, तकनीकी विशेषज्ञों तथा विभाग के बीच समन्वय को सुदृढ़ किया, जिससे जिले में मत्स्य विकास के लिए समेकित प्रयासों को बढ़ावा मिला।

समग्र रूप से यह दौरा सफल एवं परिणामदायी रहा। कार्यक्रम ने जागरूकता बढ़ाने, तकनीकी ज्ञान में वृद्धि करने तथा किसानों को आधुनिक मीठे पानी की मत्स्यपालन पद्धतियाँ अपनाने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपेक्षा है कि कार्यक्रम के दौरान प्राप्त ज्ञान एवं वितरित इनपुट्स से गढ़चिरोली जिले में मत्स्य उत्पादन में वृद्धि तथा किसानों के आजीविका अवसरों में सुधार होगा। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ कपिल सुखधाने., डॉ सुखम मुनीलकुमार., तथा डॉ देबजीत शर्मा द्वारा आईसीएआर–केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान के मत्स्यपालन प्रभाग से किया गया।

उत्पादन साधन वितरण कार्यक्रम

उत्पादन साधन वितरण कार्यक्रम

अनुसूचित जाती उपयोजना अंतर्गत
उत्पादन साधन वितरण कार्यक्रम

अनुसूचित जाती उपयोजना अंतर्गत
उत्पादन साधन वितरण कार्यक्रम

अनुसूचित जाती उपयोजना अंतर्गत
उत्पादन साधन वितरण कार्यक्रम

अनुसूचित जाती उपयोजना अंतर्गत
उत्पादन साधन वितरण कार्यक्रम

Latitude: 20.148495
Longitude: 80.087855
Altitude: 105.0±24.0 m
Accuracy: 34.0 m
Time: 18-02-2026 13:01
Note: Fishery Training & Cold storage distribution
Powered by NoteCam

उमेद
स्थापना दिनांक
लाभार्थ्यांचे नाव
समूहाचे नाव
ग्रामसंघाचे नाव
प्रभागसंघाचे नाव
गाव

उत्पादन साधन वितरण कार्यक्रम